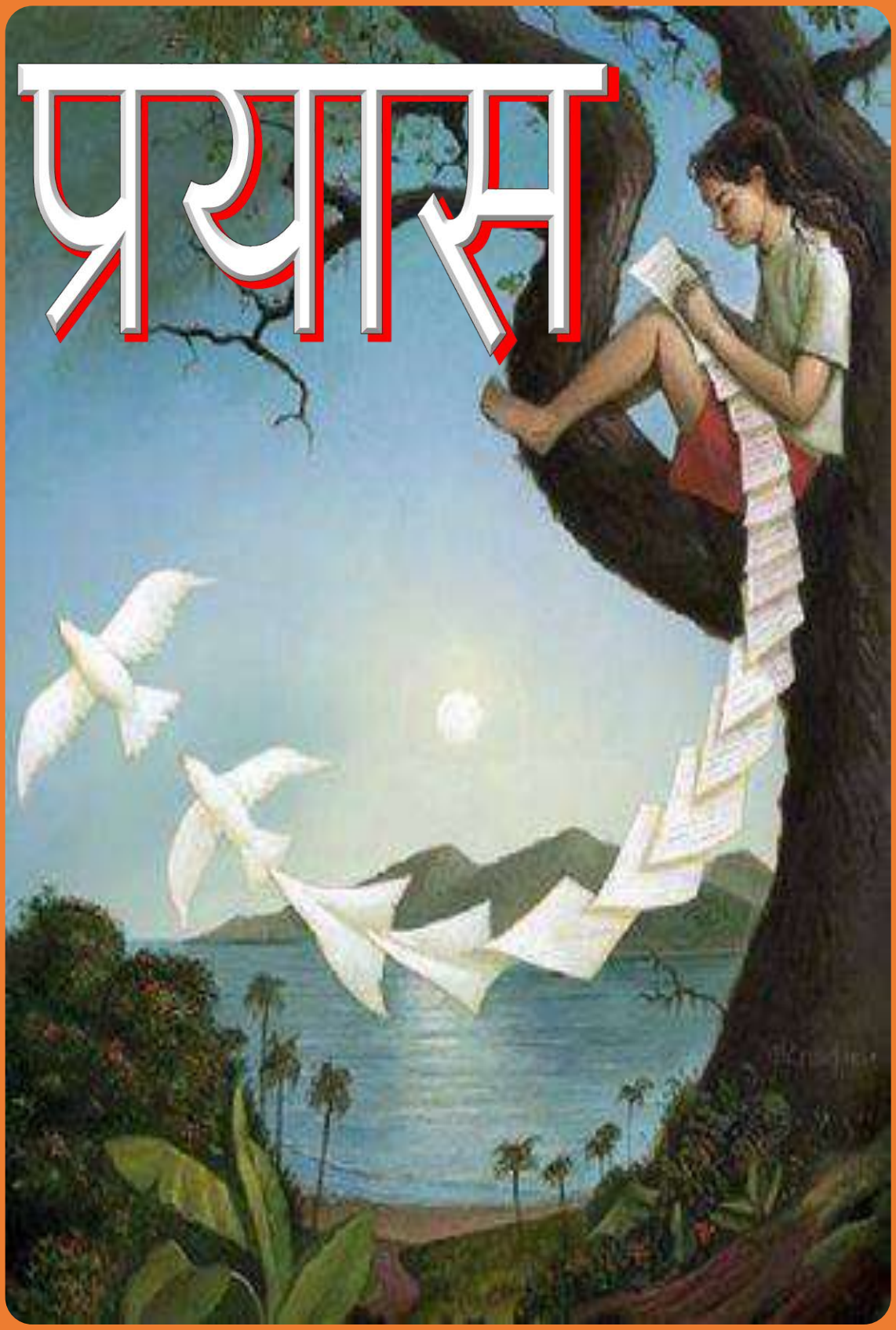
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय सी.आर.पी.एफ दुर्गापुर

KENDRIYA VIDYALAYA CRPF DURGAPUR



विद्यालय पत्रिका

2024 -2025

OUR PATRONS



MS. NIDHI PANDEY

IIS COMMISSIONER OF KVS



MR. Y ARUN KUMAR

DEPUTY COMMISSIONER OF KVS



MR. SANJIB SINHA

ASSISTANT COMMISSIONER OF KVS, RO KOLKATA

From The Principal's Desk



MR. VINOD YADAV
KV CRPF DURGAPUR

Dear Readers,

Welcome to Kendriya Vidyalaya, C.R.P.F, Durgapur one of the most prestigious Educational Institution of Durgapur, in the Steel City of West Bengal, India. This centre of excellence which was first established in 1981. The Vidyalaya imparts education from class I to XII, with Science, Commerce and Humanities stream at +2 level with three sections in each class.
The aim of the school is to provide unmatched qualitative education par excellence: to develop the best that is latent in children and to encourage the child to explore and revel in the joy of learning. The endeavour is to retain smiles on the faces of the children, channelize the energies of youthfulness while sensing the beautiful connectivity between the heart, character, nation and the world.
The mind and the spirit of the child has to be awakened to look for, search and learn whatever is new to him. The curricula are linked from the pre-primary level and is closely monitored providing the best opportunity for students to develop academic skills and gradually expand knowledge.
Educational technology has permeated all areas of life. Our endeavour is to integrate technology and its range of application 'throughout the classroom' in an attempt to improve the quality of learning instruction. Modern teaching strategies, provision of student enrichment unit, recognition of various student learning styles and culture of academic support create a special learning community at our School.
Globalization and increasing diversity in man's needs has generated an enhanced demand for competitive skills, and here at our School, our purpose is to provide the forum where such needs shall be fulfilled.
Our focus is to train children to become autonomous learners. Our earnest effort is to provide students with an education that allows them to recognize and realize their 'dreams' and skills and to be able to ignite the passion to excel. Students will be given an environment wherein their attributes and strengths can be given a fillip, their creativity developed and spontaneity nurtured. They develop into adults endowed with analytical and logical thinking, a mind that is curious and inquisitive and a sensitivity that makes them humane in thought, word and deed.
This Vidyalaya has a strength of nearly 1500 students and 59 staff on rolls and has all along been striving to achieve academic excellence and development in the total personality of the students. It has molded many Teachers, Scientists, Technocrats, Doctors, Engineers, Teachers and Administrators who occupy enviable positions in various walks of life. Discover how we mold the citizens of tomorrow.

PRINCIPAL **MR. Vinod Yadav**
KV CRPF DURGAPUR

प्रयास

संपादक - मंडल

EDITORIAL BOARD

प्रधान संपादक

श्री विनोद यादव (प्राचार्य)

CHIEF EDITOR

MR. VINOD YADAV (PRINCIPAL)

संपादक

श्रीमती बीना गुप्ता
(पीजीटी-हिंदी)

EDITOR

MRS. BINA GUPTA
(PGT-HINDI)

सह संपादक गण

श्री सुभ्रांशु मित्रा
(पीजीटी-अंग्रेजी)
श्री भूपेन्द्र कुमार
(टीजीटी -हिंदी)
श्री ब्रजेश चौधरी
(टीजीटी -हिंदी)
श्रीमती कुमारी मीनाक्षी
(टीजीटी-अंग्रेजी)

EDITORS

MR. SUBHRANSHU MITRA
(PGT-ENGLISH)
MR. BHUPENDER KUMAR
(TGT-HINDI)
MR. BRIJESH KUMAR (TGT-HINDI)
MRS. KUMARI MEENAKXI
(TGT-ENGLISH)

कवर पेज डिज़ाइन

सुश्री मिली प्रसाद
(कम्प्यूटर प्रशिक्षक- टीजीटी)

COVER PAGE DESIGN

MS. MILI PRASAD (COMPUTER INSTRUCTOR)

VIDYAPRAVESH





INTERNATIONAL YOGA DAY

Yoga is the dance of every cell with the music of every breath that creates inner serenity and harmony.





PLANTATION DAY













SPORTS DAY


ducation is that
t makes our life
42 प्रयोगशाला
JUNIOR Sc. LAB
VIDYALAYA
APUR-713214
vivo Y51A
Jul 28, 2024, 11:42






43 LIBRARY
LIBRARY IS A
TEMPLE OF EDUCATION

INDEPENDENCE DAY













INVESTURE CEROMANY












हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्।
तत् त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये ॥


हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुख
तत् त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये


"The highest education is that which does not merely give us information but makes our life in harmony with all existence."
vivo Y51A


कनिष्ठ विज्ञान 42 प्रयोगशाला
JUNIOR Sc. LAB
vivo Y51A


कनिष्ठ विज्ञान 42 प्रयोगशाला
JUNIOR Sc. LAB
vivo Y51A


कनिष्ठ विज्ञान 42 प्रयोगशाला
JUNIOR Sc. LAB


हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्।
तत् त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये ॥
KENDRIYA VIDYALAYA C.R.P.F. DURGAPUR

PUSTAKOPAHAR

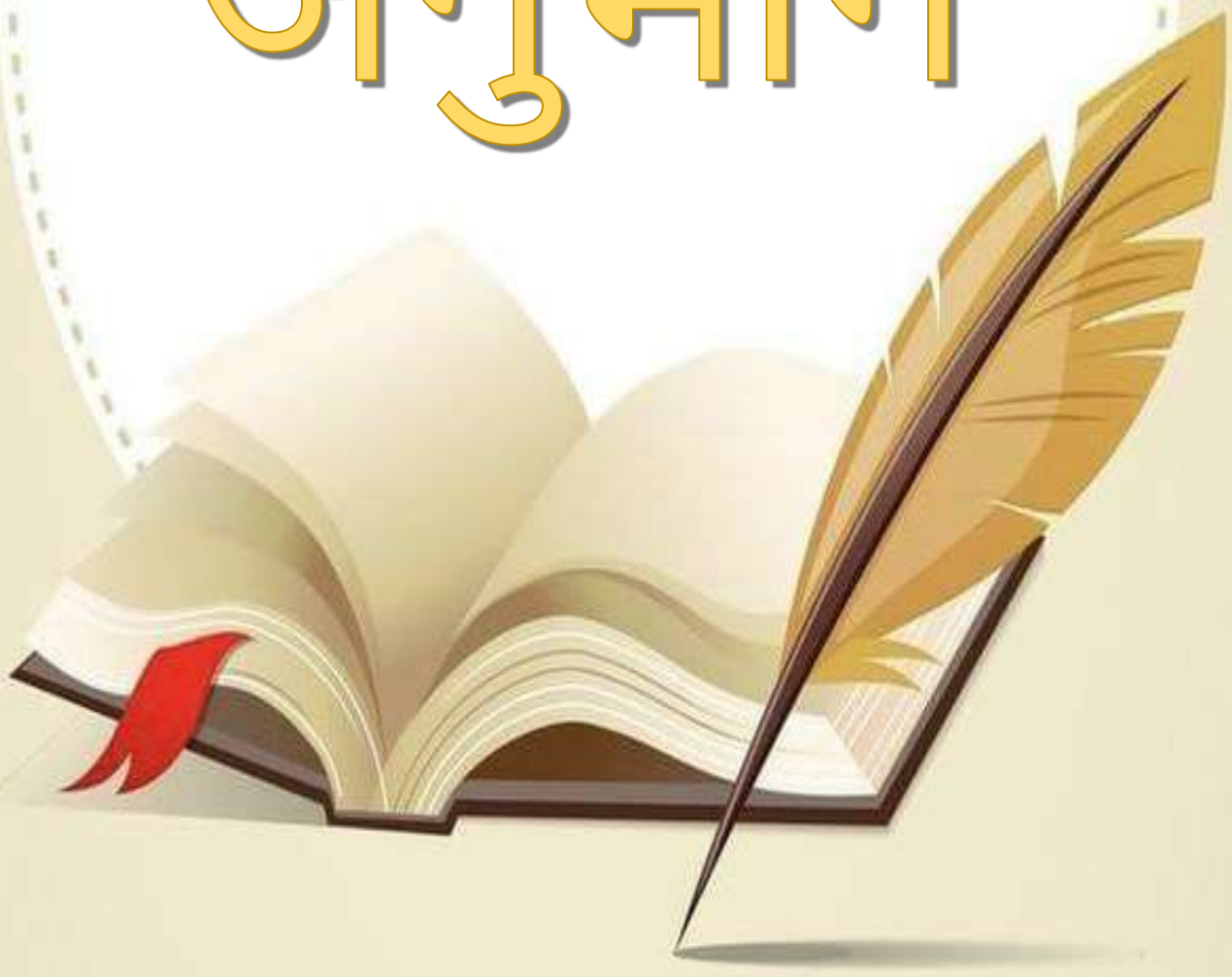








हिंदी अनुभाग



SL NO.	TABLE OF CONTENTS (HINDI SECTION) -: हिंदी अनुभाग: -	PAGE NO.
1	घर से दूर	1
2	हिंदी	2
3	दादी	3
4	जल ही जीवन	5
5	पर्यटन	6
6	प्यारी तितली	7
7	विद्यालय के वे पल	8
8	त्याग और जीवन	9
9	सपनों की ऊँचाइयाँ	10
10	विज्ञापन का जाल	11
11	एक दिन मैं भगवान से मिला	12
12	गणतंत्र दिवस 2024 रिपोर्ट	14
13	महानगरों में आवास की समस्या	15
14	प्रिय शुभ्रा	16

घर से दूर

कर्तव्य, दायित्व, लक्ष्य और यश
सब से परे जीवन-अस्तित्व की चाह है 'एक घर'।
वह घर जहां पला था जीवन, सुख-दुख वाली बात बनी थीं।

आखिर क्यों मजबूर है लोग?
घर-परिवार से बिछड़ने को?
मां की फिक्र, पिता की उम्मीद
बहन का बल, भाई का साहस बनने की राह में
क्यों जरूरी है स्वयं का तोड़ा-मरोड़ा जाना।

क्या औचित्य है इस विस्थापन का?
क्यों आसमां की तमन्ना जड़ों से उखाड़ फेंके?
वजूद को मिटाकर ही लक्ष्य मिले!

यदि हां ! तो सवाल है व्यवस्था से,
संसाधनों के दोहन कर्ता से।
क्यों विश्व प्रवासी हैं?

जब वर्षों प्रवास के बाद लौटता है वह
वह उस पीपल की छांव में,
ब्रह्म बाबा, सती मैया के स्नेह में।
बाल्य स्मृतियां, बूढ़े मां-बाप,
परिवार से अलग हो चुके भाई के पास
पर .....
कुछ नहीं है अब पूर्ववत् सा।
पराए से लगाते है सब - खुद भी और घर भी।
मर चुका है घर और स्वयं भी
जिंदा है वह तो सिर्फ स्मृतियों की धुंध में,
पीपल की छांव में,
मां के आंखों में और खुद की ही यादों में।

ब्रजेश चौधरी
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक
(हिंदी)

हिंदी

हिंदी हमारी मातृभाषा है;
कुछ नया सीखने की अभिलाशा हैं,
हिन्दी की आभा बनाए रखना,
यही हमारी जिज्ञासा है|

जन–गन की आशा है हिन्दी;
सबसे सरल भाषा है हिन्दी,
तिरंगे की शान हैं हिन्दी,
भारतीयों का अभिमान हैं हिन्दी|

हिन्दी को उंचाईयों तक पहुँचाना है;
यह संकल्प हमने ठाना है,
हिन्दी को गर्व से अपनाना है;
हिंदी को अपनी भाषा हमने माना है|

हिन्दी को पूरे संसार में फैलाना है;
यह हम भारतवासियों ने ठाना है,
हिन्दी को बोलने में नही शर्माना हैं;
यह हमने मन से माना हैं|

जिसको बोलने में घबरातें नहीं;
अपनी बात कहने में शर्माते नहीं,
साहस का श्रोत हमारी;
हिन्दी भाषा सबसे न्यारी,
हिन्दी भाषा सबसे प्यारी|

प्राची प्रिया) 10 C

दादी

वो जो मेरी खुशी में मुस्काए,
और मेरे गम में उदास हो जाए।
जो मेरी हर शैतानी छुपाए,
वह जो मम्मी के डांट से बचाए,
और गलती करने पर जो खुद डांट लगाए।
वह जो रात को सोते वक्त कहानियां सुनाएं,
जो बात ना मानू कभी तो बड़े प्यार से समझाए,
और मुंह फुलाने पर जो लाड लड़ाए।
जो मेरी आंखों से हर एक आंसू चुराए,
भैया करे परेशान अगर,
तो जो उनको आंख दिखाएं।
वो जिनकी बात पापा भी ना टाल पाए,
जो मेरी हर ज़िद्द पूरी करवाए।
जो कभी खाने का मन ना हो मेरा,
तो खुद अपने हाथों से खाना खिलाए।
रात को जो बिना कंबल के सो जाऊं,
तो धीरे से कंबल उढाए।
मन बेचैन होने पर जो प्यार से सर सहलाए,
वह जो मेरे हर दर्द की दवा बन जाए,
पर खुद दवाई खाने से कतराए।
विपरीत परिस्थितियों में,
आशीर्वाद जिनका काम आए।
जो रातों को मुझे लोरी सुनाए,

और मेरी सफलता के सपने अपनी पलकों में
सजाए।
तबीयत ठीक ना होने पर,
जो मंदिर में मन्नत मांग आए।
तौलिया ना मिलने पर,
आंचल जिनका काम आए।
मेरे दर्द में जो अपनी आंखों से नदिया बहाए,
लिखना पढ़ना भले ना आता हो,
पर मेरी आंखें जो बखूबी पढ़ पाए।
वह जो सारी दुनिया का प्यार मुझ पर लुटाए,
वैसे तो है दादी मेरी पर मेरी सबसे खास दोस्त बन
जाए।
सीक्रेट हमारे जो किसी को ना बताएं,
जो भटक जाऊं कभी तो सही रास्ता दिखाएं,
और मेरी मार्गदर्शक बन जाए।
जरूरत पर जो सही सलाह दे,
और श्रेष्ठ सलाहकार बन जाए।
वह जो मेरी खुशी में मुस्काए,
और मेरे गम में उदास हो जाए।

द्वारा:- विद्या पाण्डे
कक्षा:- 12 वाणिज्य

जल ही जीवन



धरती कहती पानी बचाओ, पानी
बचाओ, संसार को सूखा मत बनाओ |
आओ मिलकर कसम खाए,
धरती को सूखा नहीं बनाए |
कभी खुला न छोड़ो नल,
जल से जुड़ा है सबका कल |
जल है कितना अनमोल,
समझो तुम इसका मोल |
जल देता है हमे जीवनदान,
बचाकर इसे तुम बनो महान |
जल सबकी प्यास बुझाता,
हमारे लिये अमृत बन जाता |
जल धरती की शान है,
जीवन की मुस्कान है |
जीवन को सुखी बनाए हम,
आओ पानी बचाए हम |

नाम : अनन्या,

कक्षा : 7B

पर्यटन

पर्यटन हमेशा से ज्ञान का खजाना रहा है। आपको उस जगह की संस्कृति, परंपरा, पर्यावरण, स्मारकों, भोजन के बारे में पता चलता है। यह एक राहत है और आपको अपने दिन-प्रतिदिन के काम में अधिक रुचि देता है क्योंकि यह आपको किसी पर्यटक स्थल से आने के बाद एक नई शुरुआत देता है। मेरे अनुसार व्यक्ति को अधिक स्थानों पर जाना चाहिए और अन्वेषण करना चाहिए। लेकिन मुख्य समस्या सोशल मीडिया है, आप इसे अपनी आंखों में कैद करने के बजाय लाइक और कमेंट पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं।

प्यारी तितली

तितली तितली प्यारी तितली
सुनो मेरी बातें,

फुलों कि तरह रंगीन पंख
फुलों से ही चुराते ?
तुम न होते तो कली -

न खिलते बागों में,
एक फुल से दुसरे फुल पर
चुमते हो किस खयालों में ?
उड़ने का कला किस से सिखा?
कि कोई न तुमको पकड़े,

आँख में आँसु लेकर तितली बोली
कृपया कोई भी न फुल तोड़े

नामः- सायनी पात्र

कक्षा:- दसवीं 'ब'

विद्यालय के वे पल

विद्यालय के वे पल
बचपन की मिठास और खुशियों के पल।
छुट्टी की बेल, गीतों की स्वर,
दोस्तों के साथ बनती राहों का परिचय।

शिक्षक की छड़ी, उलझन और समझ,
पाठशाला का मंच, प्रेरणा का संगीत।
वर्षों की यादों में बसी वह झलक,
जो बचपन के विद्यालय में बसी थी
आधार।

अब भी बहुत है वह अनमोल,
विद्यालय के वे पल,
अनगिनत ख्वाबों की मोती।
हर भाई-बहन की भेंट,
हर चीख का अनुभव,
जीवन की इस लड़ाई में,
वे एक अविस्मरणीय भाग।

विद्यालय के वे पल,
जहां दिन थे सारे हल्के,
जहां बनते थे सपने,
बचपन के मस्तिष्क में

तल्ख वे छोटी-छोटी बातें,
वे मिलने की तारीखें,
विद्यालय के वे पल,
अब भी हैं यादें अनमोल।

जहां देती थी शिक्षा और सीख,
विद्यालय के वे पल,
हर पल था एक उपहार।
अब भी बसी है वही मिठास,
अब भी बनी है वे यादें,
विद्यालय के वे पल,
हमें देते हैं जीने की राह।

तृप्ति मयी देबता
बारहवीं मानविकी

त्याग और जीवन

हमारे समाज में त्याग और जीवन का संबंध पूरी गहराई के साथ होता है। इन दोनों पहलुओं का महत्वपूर्ण योगदान है, जिससे एक व्यक्ति का समाजिक, मानसिक, और- त्याग का अर्थ होता है, खुद की प्राथमिकताओं और सुख-सुविधाओं से बहकर, प्रेम के मूल्यों के प चलिए देखते हैं कि राजा हरिश्चंद्र, अशोक और साधुओं के प्रमुख मनोहस्पीकी स्नेह-प्यार

राजा हरिश्चंद्र

हमारे साम्राज्य का नेतृत्व करने वाले राजा हरिश्चंद्र, सच्चाई और समर्पण की प्रतिष्ठा में म हमें उनकी कहानी से यह सिख मिलता है कि सत्य पथ पर चलने के लिए हमें कितना महत्वपूर्ण संकोच कर राजा हरिश्चंद्र ने सत्य और धर्म का पालन किए, अपने राज्य, संपत्ति, और परिवार को समुचित् कक उन्होंने दिखाया कि सच्चे जीवन मूल्यों की प्रतिष्ठा हमें उच्चतर नैतिक स्तर पर पहुँच गए

सम्राट अशोक

सम्राट अशोक का जीवन, त्याग के परिनिर्माण में एक सुप्रसिद्ध हीरा-हैंडोल है। कलिंग युद्ध के उपरान्त, उन्होंने हिंसा से पृथक्करता की मार्ग समेत बहुभाषिकता, प्र अपने जीवन का बहुमूल्य हिस्सा, अशोक ने जनता की सेवा में प्रचुर प्रसार करके, साथ ही-साथ ध उनका निःस्वार्थता और सेवाभावना ने उन्हें महान शासक के प्रमुख की हैसियत से पहचाना,

साधु और संत

साधु और संतों का जीवन, त्याग के प्रमोदपूर्ण मिस्रण है। उन्होंने सांसारिक सुखों और वस्त्रों का परित्याग करके, आध्यात्मिक साधना में समर्पित हैं वे अपना समय दूसरों को सही मार्ग प्रदर्शित करने और समाज में नैतिकता की प्रेरक होति हैं। साधुओं द्वारा समर्पित जीवन, हमें सिखलाता है कि आध्यात्मिक प्रगति में बढ़ने के लिए, हमए त्याग करना होगा।लघु संक्षेप में, त्याग और जीवन का सम्बन्ध गहरा और सार्वभौमिक है। हमें राजा हरिश्चंद्र, सम्राट अशोक और साधुओं के जीवनसत्य से पढ़ मिलता है कि त्याग -से-प हमें उनके उदाहरण से प्रेरित मिलता है कि हमें अपने जीवन में ऊंची-मुंहास को स्वीकार कर, सकेंग तभी जब हम जीवन में त्याग करना सीखेंगे, अत: जीवन में त्याग करना के अर्थ है जीवन में पुण्य का कार्य करना

सपनों की ऊँचाइयाँ

एक छोटे से गांव में, एक मोहन नामक लड़का रहता था, जो बचपन से ही उड़ने का सपना देखता था। गांव के लोग उसका मजाक उड़ाते थे और कहते थे कि उसके सपने केवल काल्पनिक हैं। मोहन ने उनकी बातों को नकारते हुए, ठान लिया कि वह अपने सपने को सच करके रहेगा।

मोहन ने एक दिन अपने सपने को पूरा करने के लिए काम शुरू किया। उसने पुराने लकड़ी, कपड़े, और अन्य सामग्रियों से एक हल्का-फुल्का हवाई जहाज बनाने की कोशिश की। गांववाले हंसते रहे, लेकिन मोहन ने हार मानने का नाम नहीं लिया।

महीनों की मेहनत और समर्पण के बाद, मोहन ने आखिरकार एक छोटा हवाई जहाज तैयार कर लिया। गांववाले उसे देखकर अब भी विश्वास नहीं कर पा रहे थे। लेकिन मोहन ने अपने हवाई जहाज को उड़ाने का निश्चय किया।

एक सुबह, मोहन ने हवाई जहाज को चालू किया और आसमान में उड़ने लगा। गांववाले उसकी उड़ान देखकर आश्चर्यचकित रह गए। मोहन ने साबित कर दिया कि उसके सपने सच हो सकते हैं, अगर उनके पीछे मेहनत और विश्वास हो।

शिक्षा: सपने बड़े हो सकते हैं, लेकिन उन्हें साकार करने के लिए मेहनत, समर्पण और विश्वास की आवश्यकता होती है।

Name - Suvajeet Maji
Class- 12 Commerce

विज्ञापन का जाल

बढ़ती हुई उपभोक्तावादी संस्कृति के कारण बाज़ार विलासिता के सामानों से भरा हुआ है। ये सामान बिक खूब रहे हैं| जिसका विज्ञापन भरपूर हो रहा है। कंपनियाँ यह भी नहीं देखती कि जनता को कितनी हानि पहुंच रही हैं। ये विज्ञापन बेहद भ्रामक है नकली समान से अभिप्राय है ऐसी चीजें जो हमारे शरीर के लिए हानिकारक है जैसे कि :- तंबाकू, दारू, और रसायन मिश्रित क्रिम, इति और तो और ग्राहक को पता होने के बावजूद वे इस जाल में फस जाते है और समान खरीद लेते हैं। इन सब चीजों से कैंसर जैसी बिमारी होने की संभावना बढ़ जाती है और ज़्यादा मात्रा में उपयोग करने से जानलेवा भी बन सकता हैं। छोटे-छोटे बच्चे विज्ञापन देखकर जिद्द करते है चॉकलेट, चिप्स, इति जैसी चीजों की कि मिलावटी चीजों से बनी होती हैं। इन सब चीजों से हानिकारक कुछ नहीं हो सकता है। बहुत सारे देशों में मिलावटी चीजो पर पाबंदी भी लगाई गई है परंतु भारत जैसे देश में ये सब चीज़ खुले में असानी से बिकती हैं। इन सब चीजो की विज्ञापन करने से रोकने के लिए न्यालय ने कायदे और कानून बनाऐ है जिससे जेल भी हो सकता हैं। अतः खुद ही इन सब चीजों से बचना जरूरी हैं। कोई भी सामान खरीदने से पहले उसके पिछे दी गई संघटक सूची पढ़े और जानलेवा बिमारी से दूर रहरहे|

- पलक कुमारी यादव
- बारहवीं वाणिज्य

एक दिन मैं भगवान से मिला

एक दिन जब मैं छोटा था,
मैं भगवान से मिला।
और मैनें भगवान से कहा कि,
मुझे न एक सितार बनना हैं।
भगवान ने कुछ नही कहा,
और सामने मुझे एक रास्ता दिख गया,
और मै आगे बढ़ गया।
फिर एक दिन मै हार से मिला।
मुझे अच्छा नही लगा।
मैने हार से कहा की चले जाओ
मेरी जिन्दगी से,
मुझे तम्हारी कोई ज़रूरत नही हैं।
हार ने कुछ नही कहा,
और मुझे न अपनी कमिया दिख गयी।
उन्हे मानकर, सुधारकर, मैं आगे बढ़ गया।
फिर ऐसे ही एक दिन मैं दर्द से मिला।
तकलीफ हुई,
पर मैने दर्द से कहा की,
तुझे न जितना परखना है, तू परख ले।
पर मै नही रुकने वाला।
दर्द मुश्कुराया, कुछ नही कहा,
और मुझे एक बेहतर सोच मिल गई।
सोच के साथ मै आगे बढ़ गया।
फिर मै एक दिन मेहनत से मिला।
मेहनत से मेरी दोस्ती हो गई।
मैने एक दिन मेहनत से कहा कि,
मुझे असमान छूना है।
मेहनत ने कुछ नही कहा।
और मुझे एक सीढ़ी दिख गई,
मै आगे बढ़ गया।
फिर एक दिन मै दुनिया से मिला।
दुनिया ने कहा कि,
वाह! क्या खुब चमकते हो तुम,
बहुत बड़े सितारे बन गए हो तुम।
बड़ा अच्छा लगता हैं तुम्हे देखकर।
मैं मुश्कुराया, और,
मुझे कुछ कहना था पर,
पता नही क्यूँ, मैने कुछ नही कहा।
बस उन्हे मेरी चमक दिखने दी।
फिर मै कामियाबी से मिला,
कामियाबी से मैने कहा कि,
तुम्हारी वजह से आज सभी मुझे
एक सितारा कहते है।
आज मैं एक सितारा बन गया हूँ,
बहुत शुक्रगुज़ार हूँ मैं।

पर कामियाबी ने कुछ नहीं कहा।
और मुझे सितारे और ज़मीन के बीच
की
दुरी दिख गयी।
अब मैं आगे नहीं बढ़ पाया।
फिर से मैं भगवान से मिला।
देखो आज मैं एक सितारा तो बन गया
हूँ,
पर इतना चमकता हूँ मैं,
फिर भी, मेरे आसपास
इतना अन्धेरा क्यूँ है?
सभी सितारे को पसंद करते हैं,
उसकी तारिफ करते हैं,
कोई पास आके समझता क्यूँ नहीं?
एक टूटते हुए सितारे को देखकर,
कोई सितारे की परवाह नही करते,
सभी अपनी ख्वहिसे ही क्यूँ माँगते?
ऐसा क्यूँ होता हैं?
मैं सवाल पछता गया
और भगवान ने एक बार भी,
कुछ नही कहा।
और वापस, सामने मुझे एक रास्ता
दिख गया।
एक ऐसा रास्ता,
जो जिन्दगी की ओर ले जाता है।
सच कहुँ तो, इस दूनियाँ में,
हम सभी, सितारे है।

पर कभी-कभी, ज़िन्दगी में
आगे बढ़ना थोरा मुश्किल होता हैं।
पर तुम्हारी, हर तकलीफ,
हर दर्द का एक खुबसूरत सा,
मतलब निकलकर आएगा।
जो भी चीज़, आज तुम्हे तोड़ती है,
एक दिन आएगा,
जब यही, तुम्हारे सामने,
हाथ जोड़ेगी।
कोई अन्धेरा, तुम पर हावी नही हो
पाएगा।
सब रखो, और चलते रहो।
जिन्दगी ढूंढते रहो।
चाहे जो भी हो, चलना मत रोकना।
चाहे जो भी ही,
कभी भी, जिन्दगी मत रोकना।

द्वारा - मेहुल दास
कक्षा - बारहवी
'मानविकी'(ब)
सदन - कीर्ति

केन्द्रीय विद्यालय सी. आर. पी. एफ. दुर्गापुर

गणतंत्र दिवस 2024 रिपोर्ट

केन्द्रीय विद्यालय सी. आर. पी. एफ. दुर्गापुर में 26 जनवरी 2024 को 75वें गणतंत्र दिवस का भव्य आयोजन हुआ। इस अवसर पर माननीय श्री देवव्रत भट्टाचार्य, पुलिस उप महानिरीक्षक के. रि. पु. बल दुर्गापुर , मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।विद्यालय के प्राचार्य श्री विनोद यादव जी , उप प्राचार्य श्री अमरेंद्र कुमार झा जी, शिक्षकगण , अभिभावकगण तथा सभी विद्यार्थियों की उपस्थिति में गणतंत्र दिवस का राष्ट्रीय पर्व बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया ।

विद्यालय में ध्वजारोहण के पश्चात विद्यालय के होनहार विद्यार्थियों द्वारा , के•रि•पु•बल• के कर्मियों तथा विद्यार्थियों के अभिभावकों की उपस्थिति में के•रि•पु•बल• के मैदान में सुंदर रंगारंग कार्यक्रम- समूह गीत, हिन्दी समूह कविता पाठ, समूह नृत्य एवं भाषाण आदि को प्रस्तुत किए गए । कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि एवं विद्यालय के प्राचार्य श्री विनोद यादव जी ने विद्यार्थियों की , उनकी कड़ी मेहनत और रचनात्मकता की सराहना की और उनके आगामी भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं ।





महानगरों में आवास की समस्या

महानगरों में आवास की समस्या एक मुख्य समस्याओं में से एक हैं। आवास एक एसी चीज़ है जिसके बिना जीविका निर्वाहन करना अत्यंत कठीन है। इसके ऊपर जब आवास कार्य-स्थल के निकट हो तो सोने पे सुहागा।

नगरीय क्षेत्रों में रहने वाले लोग अधिकांश मध्यमवर्गीय और निम्न वर्गीय परिवारों से ही होते हैं। महानगरों में रोजगार, शिक्षा और चिकित्सा सुविधाओं की अधिकता के कारण ग्रामीण क्षेत्रों से बड़े अंकों में लोगो का पलायन हो रहा है। यहां आवास मिलना ही एक समस्या नहीं है, उसके आलावा उच्च किराया, प्रदुषण, जलकष्ट, कीमती सामान, आवास निर्माण सामग्री की उच्च लागत आदि समस्या भी प्रमुख हैं। इस तेजी से बढ़ती जनसंख्या के लिए पर्याप्त आवास की व्यवस्था होना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। बढ़ती मांग के साथ-साथ आवास के मूल्यों में भी तीव्र वृद्धि हो रही है।

सरकार द्वारा आवासीय समस्या को दूर करने के लिए योजनाएं बनाए गए परंतु कई योजनाएं संपूर्ण रुप से सफलतापूर्वक प्रभाव नहीं दे पायी। सरकार कई तरह के योजनाएं बना सकते हैं जैसे – ग्रामीण और छोटे शहरों में रोजगार और बुनियादी सुविधाओं का विकास कर वहाँ की ओर जनसंख्या के पलायन को रोका जा सकता है। स्मार्ट सिटी, सोलर पैनल का उपयोग कर पर्यावरण अनुकूल और सस्ते आवासीय विकल्प उपलब्ध कराए जा सकते हैं। यह समस्या दूर करने के लिए सरकार, समाज और निजी क्षेत्र को मिलकर काम करना होगा। यह न केवल आवासीय संकट को कम करेगा बल्कि समाज की समृद्धि और विकास में भी योगदान देगा।

- मैनाक चक्रवर्ती
12 वीं वाणिज्य



प्रिय शुभ्रा

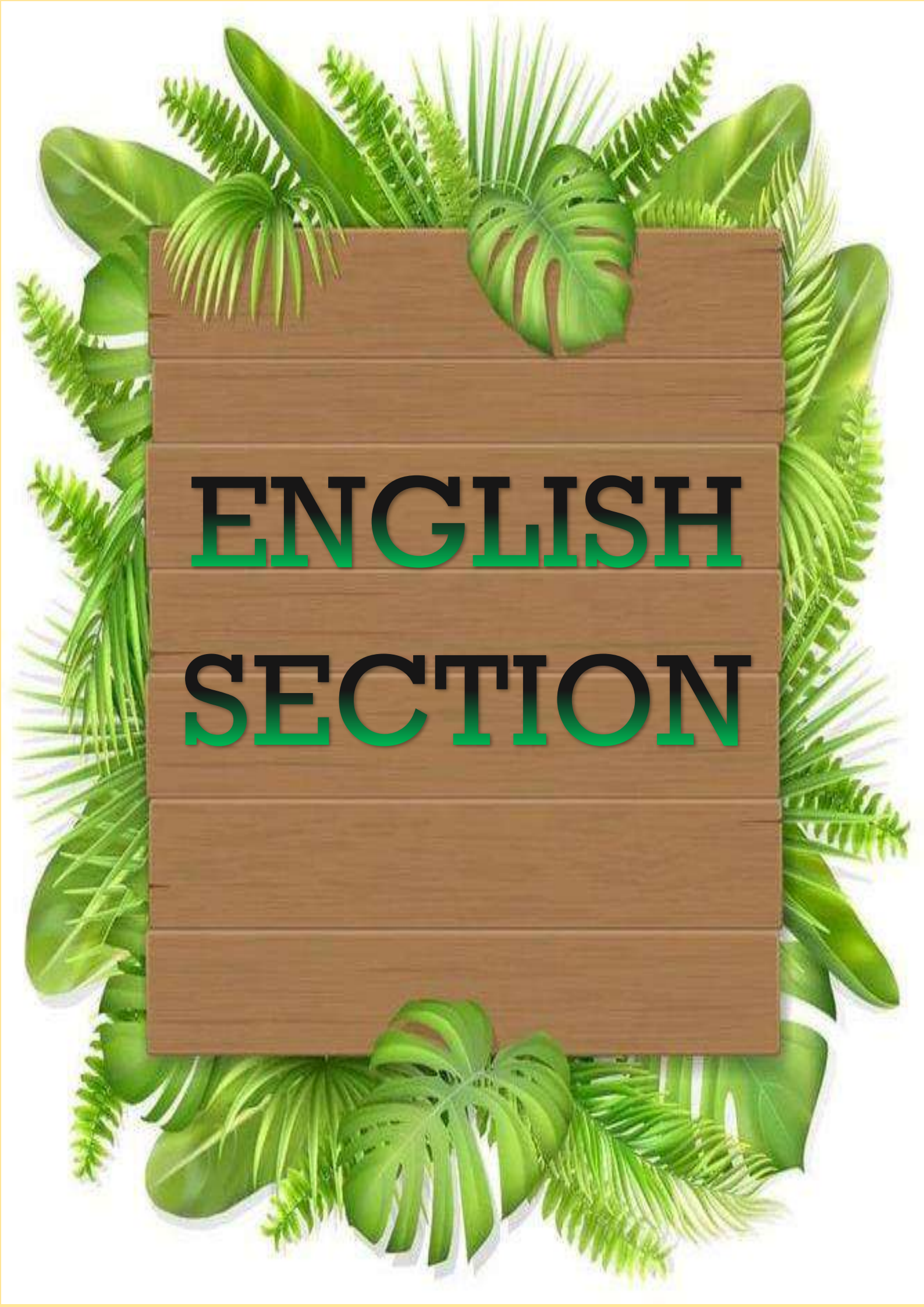
Dance is like comfort to me
I want to make myself
I want to be

कि मेरे नृत्य से मेरे हर दुख मिट जाए,
मेरे नृत्य से हर सख्स ताली बजाये ।
और उनमें से मेरे साथ हो मेरे माता-पिता,
दिल की गहराई से थोड़ी बात हो,
वह मुझे सीने से लगाए और बोले ।
beta proud of you!!
शान हो हमारी तुम ।।

यह सपना सपनाई लगे,
पता नहीं क्या होगा, क्या होगा आगे ।
एक अनकही ख्वाब लेकर, टूट गए हैं
सबकी नाराज़गी देखकर ॥

एक प्रभु थे मेरे साथ,
नृत्य करने आए थे जिनके पास
थे पकड़ के उन्के हाथ ।
उन्होंने बताया ऊर्णा है तुम्हें,
पूरा होगा तुम्हारा हर ख्वाब ।
करके ये dance....

SL NO.	TABLE OF CONTENTS (ENGLISH SECTION)	PAGE NO.
1	LIFE	1
2	MUSIC	2
3	BOOK READER	3
4	SERENITY FOUND	4
5	TRIP TO PURI	5
6	RAIN	6
7	FUTURE OR PRESENT	7
8	ARTIFICIAL INTELLIGENCE	8
9	CAN I STAY A BIT LONGER	9
10	THE LOST COIN	10
11	JUDGE MY TALENT NOT MY BEAUTY	11
12	SHIFTED BY THE HOME THAT CREATED BY MY OWN	12
13	WORMHOLE-THE WAY TO INERSTALLER TRAVEL	13


ENGLISH
SECTION

Life

Life is journey between birth and death
That glimpse the whole world so elegant
It teaches us a lesson in every steps
That take someone by the depth

Life is like a flower
Which starts out as a seed
And after some years
It blooms with grace

Life is for enjoyment
Don't waste it
Make every moment unusual
With pleasure and glee

Life is too short to survive on
Don't regret to live on
Keep moving forward to your path
You definitely win your goal.



By Paramita Manna

Music

Music brings joy,
to all our hearts,
it's one of those
emotional arts.



Sounds of melodies,
that we truly adore,
brings us pure pleasure,
as our spirits do soar.

Music that touches us,
we can't help but smile,
we are free to choose
genre or style.





Music clearly,
edifies our days,
ans makes feel gay ,
in so many ways.

Moupriya Nandi
class- 10 'A'

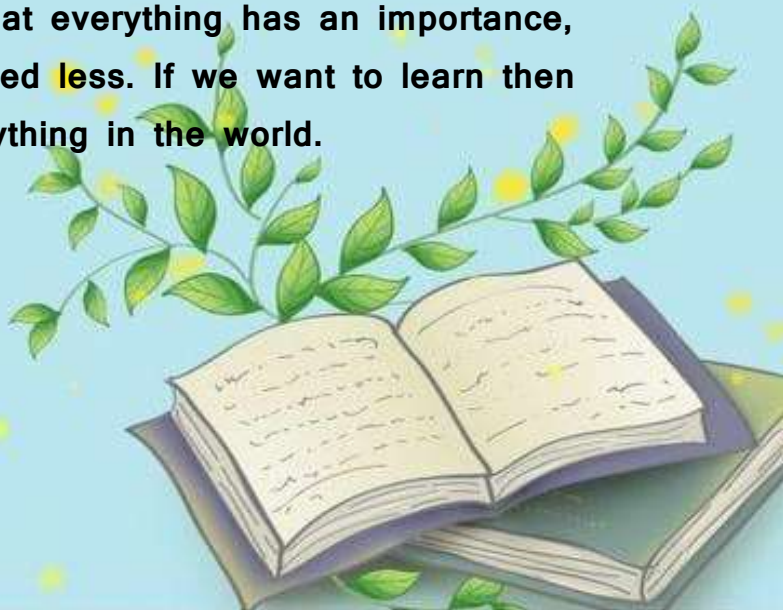


BOOK READER

Once upon a time there lived a family with two children and their parents. There were two siblings, Rinki and Chiku. Chiku always top in the school because he only reads the particular thing that comes in the exam. Rinki reads the whole book but she comes second in her class. One day their father were reading newspaper, suddenly Rinki said 'papa see there is a picture of cycle in your newspaper'. 'yes, papa there is 50 percent discount on the cycle', Chiku said. Papa said 'ok in this final exam if any one of you top then I will gift this cycle to you'. After hearing this deal, they worked hard for the final examination, but again Chiku get the highest number and Rinki came second. According to the deal, Chiku get the cycle. Their mom told Chiku to share the cycle with Rinki but he did not did that. In the evening they all went to the restraint for the dinner for celebrating the good news of Chiku and Rinki good result. After finishing the dinner when they came out a group of media covered them. They said 'we are from a coaching center, we want to give a quiz on gk to your children, if any of you pass the quiz you will get some prizes. The quiz started and Rinki completed the first and get passed in the quiz. She got a cycle and a school bag. After that they all lived happily.

Moral

This story shows us that everything has an importance, nothing should be valued less. If we want to learn then we have to learn everything in the world.



BY- POULAMI SAHA
CLASS- 7C

Serenity Found

In nature's embrace I find my peace,

Amongst the trees, my worries cease.

The rustling leaves and chirping birds,

Create a symphony that soothes my words.

The sun shines bright, its warm rays on my skin,

The gentle breeze whispers secrets within.

In nature's lap, I find my home,

A sense of belonging,

where I am never alone.

Name - Eshani Ghosh
Class X-A

A TRIP TO PURI



This story is from the year 2018 when I was 8. My entire family was on a vacation trip to Puri. We stayed in a hotel which is one of our family members. We were on a vacation we all were playing games like truth and dare so my elder cousins were teasing me "look out from the balcony you will find someone standing in a white saree" and I was scared a hell. As the hotel belong to our Uncle, my elder cousin started telling stories at 3 AM, that in one of the rooms, a German family died by suicide.

We all laughed in response because "who will come back from Germany and attempt suicide here", so he was like it's up to you whether you will agree with me or not. This conversation kept on going and between this, someone knocked at our door. At first, we thought it might be one of our uncles because we all were awake so he must have been there to say to say sleep, we have to leave early morning tomorrow. We all stopped laughing and pretended as if we were sleeping! So, in the meantime, someone knocked on the door again and when we opened the door, there was no one. There was not a single person and it was a pin-drop silence. We all were so freaking scared ... so after that incident, we all slept and I don't know why but while sleeping I felt like someone was singing beside me in some unknown language. I shared this with my sister and she told me that she also heard the same kind of thing when we informed our family no-one said a single thing. Later on, when we were back home, and my uncle informed us that the room we were in was the room in which a German family had died.

NAME – DIPENDU KUMAR JENA

CLASS – X B

Rain

There was a sudden rain,
When I was on a train
All those heavy clouds,
Are shouting very loud.





Little, little droplets,
Falling from the top plates.
Clouds are moving on the sky,
Thinking to have a great fly
The weather was very cold,
But I stood very bold.

Monisha Maitra
Class- XII, Sci

FUTURE OR PRESENT



Once upon a time, there lived a happy family. There were two brothers and their mom and dad. The two brothers Rahul and Rohan did not finish their work in time. Every day they get punishment in the school for not completing their homework in time. One day when their mother was cooking food, they entered the kitchen and Rohan said to his mother 'mom you have to go to our school to meet our Principal sir'. Rahul said 'yes mom if you don't come then we will be suspended for one week'. They all requested their mom, at last she agreed to go. Tomorrow they went to their school with their mom. Their mom entered in Principal*s room. 'Welcome Mrs. Chatterjee, today I have invited you to talk about your children, Principal said. 'Did Rohan and Rahul had made any problem? 'Yes, you are right'. 'But what is the problem?' 'The problem is that your children did not complete their homework in time'. 'Please give me a chance'. 'Ok from tomorrow we will not tolerate this'. Their mom and they went home. After reaching home mother started watching TV. They asked their mom for lunch but she answered that 'no need to eat now, you can eat tomorrow. They didn't understand anything so they went to their room. In the night their mom did the same so they asked her, but she answered nothing. They understood what she was trying to say. They said sorry to their mother. Since then they didn't make this type of mistake and lived happily.

MORAL

Don't let any work for doing in future. The work you have to do tomorrow, do today and the work you have do today, do now.

POULAMI SAHA

CLASS 7C

Artificial Intelligence Shaping the Future of Technology

Artificial Intelligence (AI) refers to the simulation of human intelligence in machines that are designed to think and act like humans. These intelligent systems can perform tasks such as learning, reasoning, problem-solving, perception, language understanding, and even exhibiting some level of creativity. The concept of AI has been a part of science fiction for decades, but in recent years, it has transitioned from theory to reality, significantly impacting various sectors.

The journey of AI began in the mid-20th century with pioneers like Alan Turing, who proposed the idea of machines being able to perform computations that mimic human thought.

- AI is revolutionizing healthcare by providing tools for early diagnosis, personalized treatment plans, and efficient management of patient records. AI algorithms can analyze medical images to detect diseases like cancer at an early stage, predict patient outcomes, and assist in robotic surgeries.
- In the financial sector, AI is used for fraud detection, algorithmic trading, personalized banking, and risk management. AI systems analyze vast amounts of
  financial data to identify patterns and make predictions, enhancing decision-making processes and operational efficiency.
- AI-powered chatbots and virtual assistants are transforming customer service by providing instant responses to inquiries, resolving issues, and offering personalized recommendations. These systems use natural language processing to understand and interact with customers effectively.The future of AI holds immense potential. As AI continues to evolve, it is expected to become more integrated into our daily lives, driving innovation and improving the quality of life. Areas such as quantum computing, AI-driven biotechnology, and advanced robotics are likely to see significant advancements.



VINEET KUMAR YADAV (X-A)

CAN I STAY A BIT LONGER?

When for the first time,

I entered my school.

Crying and sobbing in my mother's arm

Never realised that a day like this will come,

When I want to stay a bit longer..

How twelve years had passed?

One day I was crying on my first day of school,

The next I was dancing and singing in school functions,

Then I was in school trips.

And now I am in my last year of school.

Twelve years of studying, making friends, playing, giving speeches, dancing, singing, learning from teachers and what not.

Had twelve years passed like this?

The place which is my second home,

How will I leave it?

From wanting to not come to school,

To wanting to stay a bit longer.

Realising that twelve years had passed,

And it's time to leave.

But can't I just stay a bit longer??

Can't I??

Written by: - Palak Prasad
Class: - 12th commerce

The Lost Coin

In a bustling city in Chamarpur, a boy named Patru discovered a shiny coin on the footpath. Excitement filled his heart as he imagined all the things he could buy. However, a Beggar named dadoo caught his attention. His eyes mirrored despair. Patru's small hand clenched the coin, torn between his desire and compassion.

Suddenly he realized the true value of kindness. With a smile, he handed the coin to dadoo, who shed tears of gratitude.

The Moral :

Generosity is worth more than material possessions and sometimes, the greatest treasures are found in acts of selflessness and the joy of giving.

Hrishabh sharma
Class – X C

JUDGE MY TALENT NOT MY BEAUTY

In the eyes of others beauty may fade,

But my talent dear will never be swayed.

Simple and true like a pearl in the sea,

My uniqueness shines for all to see.

Though they may not understand my art,

In the soul it holds a special part.

For beauty lies not just in outward grace,

But in depth of character in every trace.

Embrace my talent let it soar high,

For in my simplicity, I touch the sky.

A beautiful girl not by society' s decree,

But by the light of my spirit, pure and free.

PUSPA ROY
IX B

SHIFTED BY THE HOME THAT CREATED BY MY OWN

In a class I used to stay,
Learning and laughing every day.
But now I feel lost and alone,
In a section that isn't my own.

I miss my friends I miss the fun,
In my old section where I had begun,
To grow and learn and truly thrive,
Now all I do is long and strive.

I wish to go back where I belong,
Among familiar faces where I am strong.
So please, oh please let me return,
To my old section where I yearn.

SUCHANDRA SARKAR

CLASS IX C

WORMHOLE- THE WAY TO INTERSTELLAR TRAVEL

Many of us have watched the 2014 sci-fi film Interstellar. The main character, Joseph Cooper and his team venture to the so-called wormhole near Saturn: as earth was no longer thought to be habitable. They find a new habitable planet through this exiting mission known as Gargantua.

The concept of wormhole and interstellar travel may seem as normal sci-fi and not real life; but theoretically, it is possible. Einstein's most famous equation $E = mc^2$ or the theory of relativity is the origin of this theory. When Einstein wrote this, he assembled it in a set of equations known as the Einstein Field Equations. As we know that in quadratic equations there can be more than one value of the variable; similarly, in case of these equations, there are more than one solution. Karl Schwarzschild provided the first exact solution to the Einstein field equations of general relativity, for the limited case of a single spherical nonrotating mass. The term wormhole was first coined by John Wheeler.

So, what are wormholes? Basically, it is formed when space-time mesh connects with another point when folded on itself. This hole is formed when a very heavy object tears through it because of its high gravitational force creating a 4dimensional path between the two points. It is hard to visualise it as it exists in only 3d to 4d but we are 3 dimensional beings. As it is in 4d, the wormhole would be like a sphere. The more we will get closer to it; things outside would look curved and seem to go away from us.

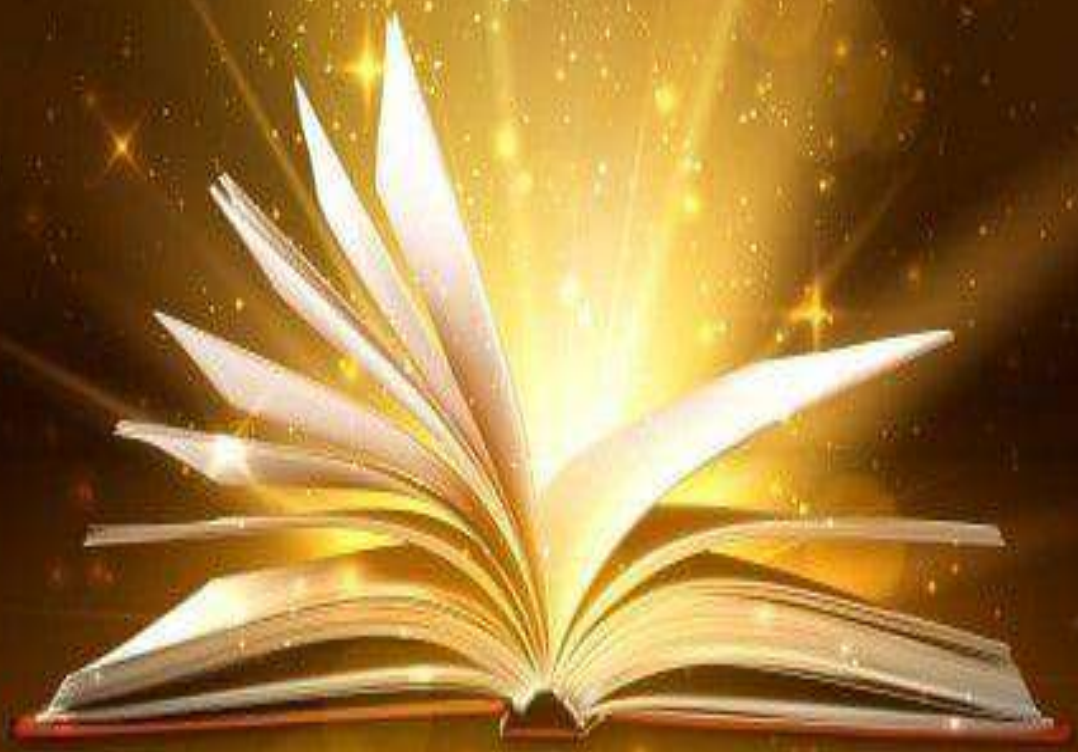
But, in spite of these theories, we possibly cannot go inside them with the present-day technology as wormholes are very minute and exist for a very short time period. Even if we are able to enlarge it somehow, it will be for a short time and then, it is gone! If we make through it by the speed of light, we cannot return back as the opening is closed.

Maybe someday, when we are technologically advanced, we can go through it for a new habitable planet; a new beginning.

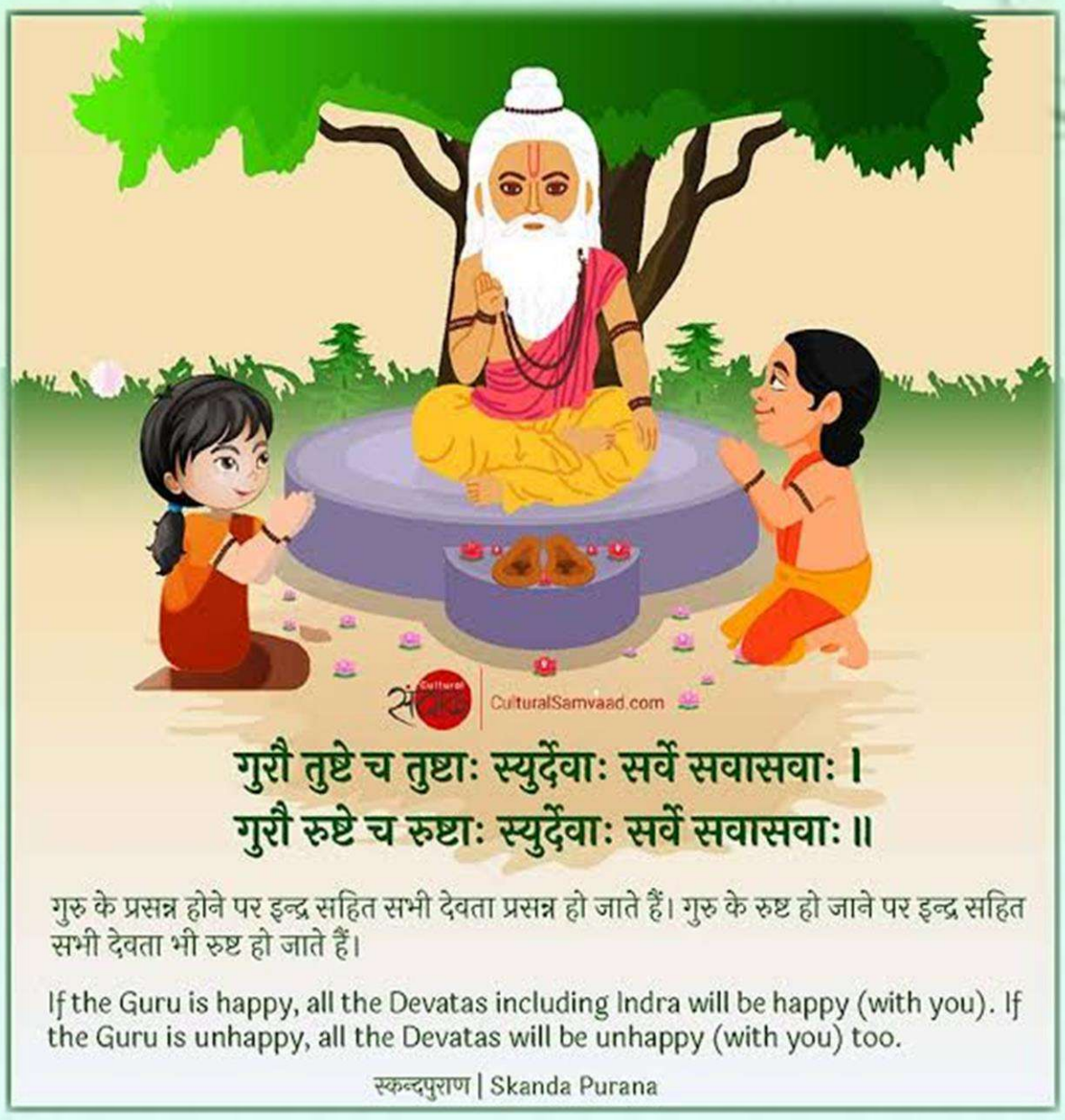
Swapnil Sarkar
Class VII B

sanskrit

अनुभाग



SL NO.	TABLE OF CONTENTS (SANSKRIT SECTION) -: संस्कृत अनुभाग :-	PAGE NO.
1	एहि एहि वीर रे	1
2	अद्भुतं स्वप्नम्	2
3	जलम्	3
4	अये मानव नैव जानासि	4



एहि एहि वीर रे

भारतस्य रक्षणाय जीवनं प्रदेहि रे।।
त्वं हि मार्गदर्शकः त्वं हि देश
रक्षकः।



एहि एहि वीर रेत्वं हि शत्रनापकः
देश प्रेम वर्धकः।।

भारतीय मानसे सदा धरेः।।
साहसी सदा भवेः वीरतां सदा
भजेः।

भारतस्य गौरवाय संर्वदा रणे जयेत्।।
एहि एहि वीर रे
एहि एहि वीर रे वीरतां विधेवी रे।

मानसी कुमारी- षष्ठ ब

अद्भुतं स्वप्नम्

मोहनस्य अद्भुतः स्वप्नम्
कपयः वदति म्याँऊ म्याँऊ।।

व्याघ्रः दुर्बलः तथा यत्,यथा चमरपुच्छ सञ्जातः।।
बर्षति कम्बलः निमज्जित वारि।।

भेकात् विभेति सर्पः तथा सर्वं मनोहारी।।
काकः वदति शुकः यथा ,सर्पः वदति भौं भौं भाँऊ।।

सुरजित घटक
षष्ठ-स



जलम्



जलम् सर्वथा एव
रक्षणीयम्।
जलम् सर्वेषु
प्रियम्।
जलं सर्वदा निर्मलं भवेत्,

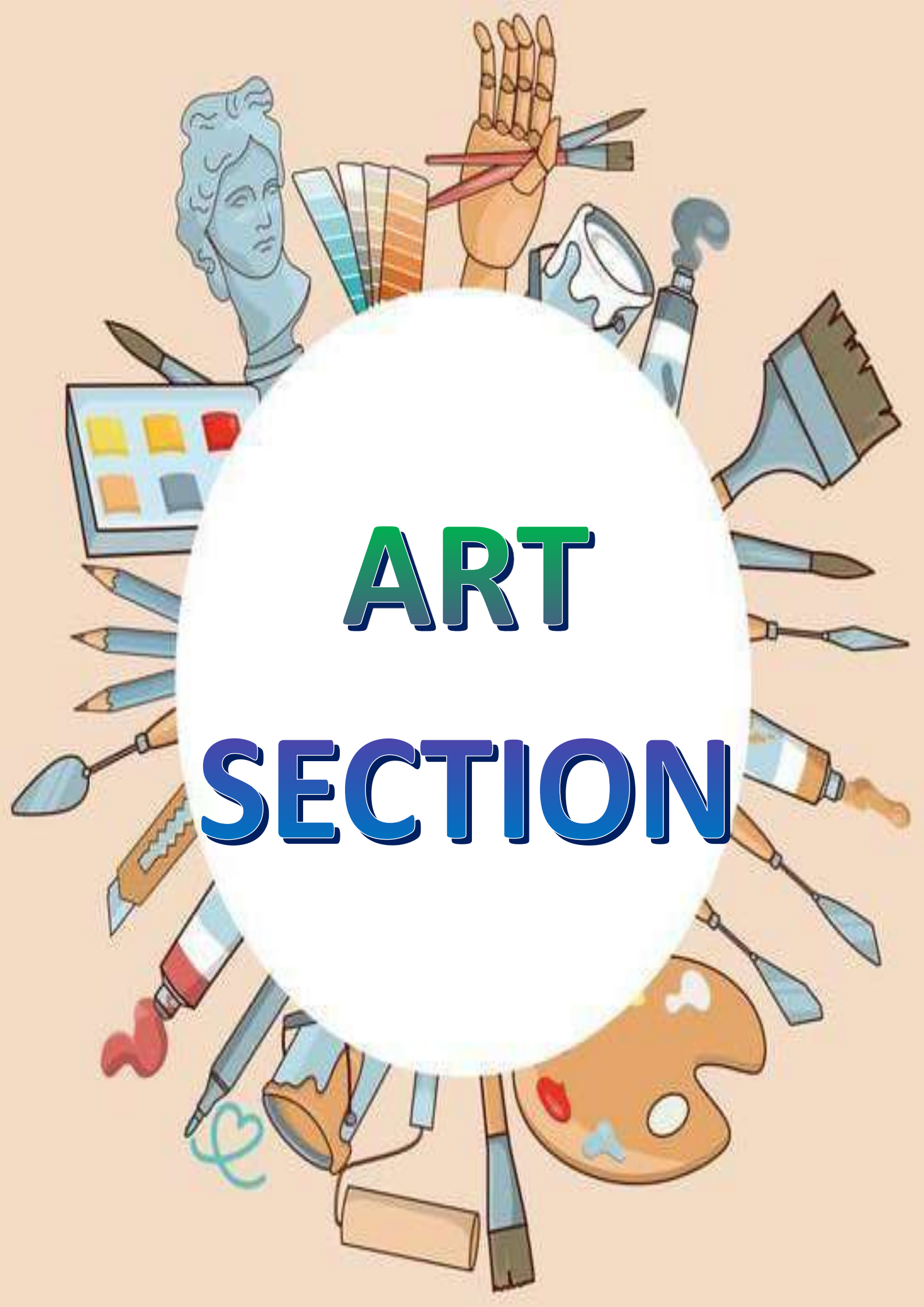
संरक्षणं अपि अनिवार्यं
जलरक्षनेन वयं
भविष्यामः धन्याः।।

अत्रि सिन्ह
अष्टम अ

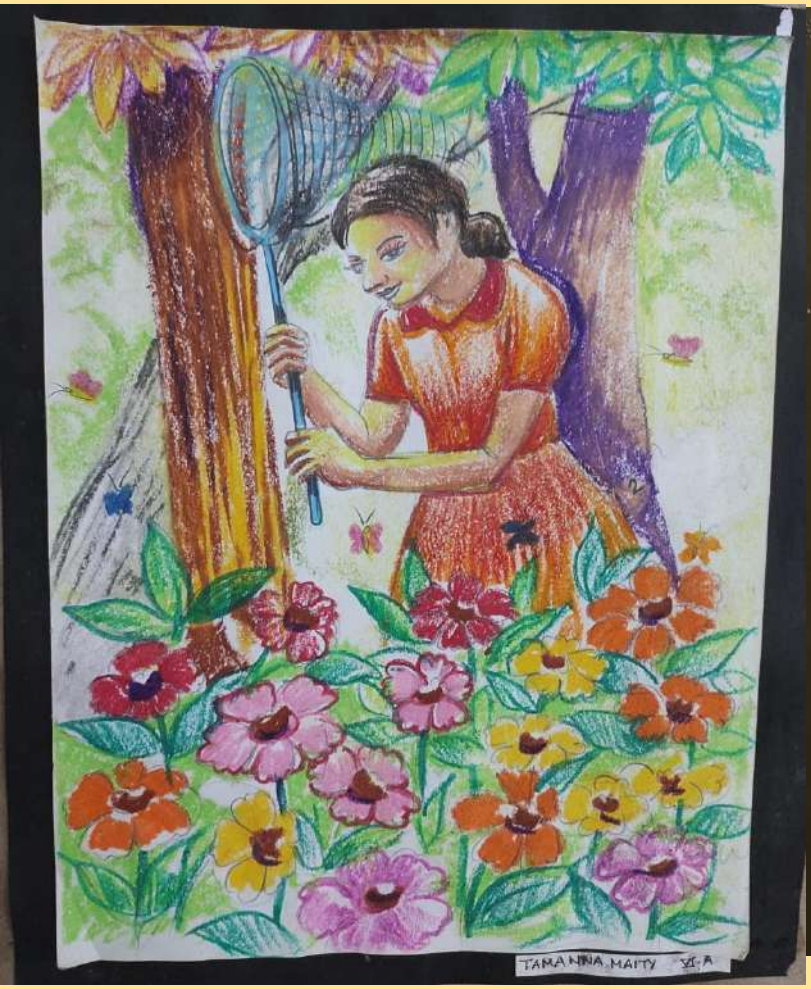
अये मानव नैव जानासि

अये मानव! नैव जानासि?
पर्यावरणरक्षकः अहम्।
तव जीवनं दायकः अहम्।
तव वृष्टिप्रदायकः अहं।
अये मानव! नैव जानासि?
नैव श्रुतं त्वया कदापि
विषवृक्षः अपि संवर्ध्य खलु।
स्वयमेव छेत्तुं साम्प्रतं वै
अये मानवः! नैव जानासि?
वातावरणे अस्मिन् शोभने
कथं त्यजसि प्रदुषणानि?
अनेन किं कल्याणं भवति?
अये मानव नैव जानासि?
यथा तव जीवनं तथैव अस्माकं
एकस्याप्याङ्गुल्याच्छेदने खलु
कीदृश पीड़ां अनुभवसि त्वं।
अये मानव नैव जानासि?
तथा कथं निर्दयः भुत्वा
अस्माकं छेत्तुं प्रवृत्ति असि?
मानव मा भवद्यल्पधीः खलु
अये मानव! नैव जानासि?

स्नेहा शीट
सप्तम "ब"


ART
SECTION

ART GALLERY










RIYA BURNWAL VI A








FREEDOM
FREEDOM


SHUVO THAKUR XIII B


KAMOLIKA DAS







PERFORMANCE ACHIEVEMENT

OUR TOPPERS



SOUMYAJIT PAL
Scored 96%



BISWADIP SAHA
Scored 87.6%

CLASS XII SCIENCE



JITENDRA KUMAR
Scored 94.0%



SWASTIKA ROY CHOWDHURY
Scored 84.2%



RINGCONA PRAMANIK
Scored 92.8%



ANKIT KUMAR YATI
Scored 89.2%

CLASS XII COMMERCE



ANUBHAB CHATTERJEE
Scored 94.6%



RIFATWARA SULTANA
Scored 95.2%

CLASS XII HUMANITIES

CLASS X

OUR KV CRPF FAMILY



